सिंगुर की आशा को हिंदुस्तान मोटर्स ने दिया नये कार का तोहफा

कोलकाता. कुछ महीने पहले तक सिंगुर केवल टाटा मोटर्स के कारखाने के खिलाफ ममता बनर्जी द्वारा चलाये गये आंदोलन के कारण मशहूर था पर जुलाई 2013 में सिंगुर का नाम एक बार फिर सुर्खियों में छाया था, लेकिन इस बार किसी राजनीतिक आंदोलन व अभियान के कारण नहीं, बल्कि एक आशा राय नामक एक गुमनाम सी युवती के कारण. जिसने पुणे में हुए एशियन एथलेटिक्स मीट में रजत पदक जीत कर न केवल सिंगुर व पश्चिम बंगाल का बल्कि पूरे देश का सिर ऊंचा कर दिया था. आशा राय को मिली इस कामयाबी का जश्न दोगुना करते हुए हिंदुस्तान मोटर्स ने उन्हें एक नयी कार का तोहफा दिया. कल तक रिक्शा वैन व लोकल ट्रेन की सवारी करने वाली आशा राय व उसके परिवार के लिए हिंदुस्तान मोटर्स दुर्गा पूजा से पहले ही खुशियों की सौगात ले कर आ गया. मंगलवार को खुदीराम अनुशीलन केंद्र में एक कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री मदन मित्रा एवं हिंदुस्तान मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ उत्तम बोस ने नयी एंबेसडर कार की चाबी आशा के हवाले की. श्री बोस ने कहा कि आशा ने दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया है. यह कार उसकी कामयाबी का एक छोटा सा नजराना है. श्री बोस ने कहा कि जिस तरह आशा ने विभिन्न मुसीबतों का सामना करते हुए यह कामयाबी हासिल की है, वहीं एंबसडर कार भी रास्ते पर आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या को दूर करते हुए आगे बढ़ती रही है. खेल मंत्री ने कहा कि हम लोगों ने आशा को एक कार देने का वादा किया था, वह आज पूरा हो गया. उम्मीद है कि आशा भविष्य में भी इसी तरह कामयाबी हासिल करती रहेगी. इस मौके पर श्री मित्रा ने आशा को कार चलाना भी सिखाया. आशा ने कहा कि हिंदुस्तान मोटर्स से मिली नयी कार हासिल कर उसे बेहद खुशी हो रही है. इस कार को चलाने के लिए वह भी जल्द ही ड्राइविंग सीखेंगी. आशा ने बताया कि उसका लक्ष्य आगामी राष्ट्रीय खेलों व एशियाड में कामयाबी हासिल करनी है. जिसके लिए वह पूरी लगन के साथ तैयारी कर रही है.